केंद्रीय विद्यालय दक्षिण कमान

KENDRIYA VIDYALAYA SOUTHERN COMMAND

कर्नल तारापुर रोड़ कैंप पुणे-01

Col tarapur road , camp pune-01

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Date -22.02.2020

(प्रतिवेदन)

विश्व चिंतन दिवस

("DIVERSITY ,INCLUSION, EQUITY")

आज दिनांक 22 फ़रवरी 2020 को स्काउट-गाइड के संस्थापक श्री बेडेन पावेल के जन्म दिन के शुभ अवसर पर चिंतन दिवस का आयोजन किया गया | केन्द्रीय विद्यालय दक्षिण कमान पुणे में आयोजन के अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या महोदया को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया | उप प्राचार्य श्री मंगल स्वरूप, वरिष्ठतम श्रीमती शमसा खान (PGT-MATHS), वरिष्ठ स्नातकोत्तर शिक्षक, श्री राजकमल आलड़िया (PGT-CS), मुख्याध्यापिका श्रीमती संगीता नायर को भी आमंत्रित किया गया |सर्वप्रथम विद्यालय की प्राचार्या द्वारा ध्वजारोहण किया गया | तत्पश्चात झंडागीत तथा प्रतिज्ञा के बाद सभी अतिथियों का स्कार्फ पहनकर स्वागत किया गया |प्राचार्य महोदय ने इस शुभ अवसर पर अपने संभाषण में अनुशासन ,हमेशा तैयार रहने व जीवन में एक रोज एक अच्छा कार्य करने के लिए सभी को प्रेरित किया | स्काउट गाइड के जनक श्री वेडेन पावेल के चित्र पर विद्यालय की प्राचार्या महोदया द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया तत्पश्चात अन्य शिक्षक- शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने श्री वेडेन पावेल के चित्र पर / माल्यार्पण किया ।

विद्यालय के स्काउट गाइड प्रभारी श्रीमती लेखा कांबले के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में **सर्व-धर्म प्रार्थना सभा** का आयोजन किया गया । स्काउट केविन ने श्री बेडेन पावेल के जीवन दर्शन व विचारों पर प्रकाश डाला |इसके बाद सभी बालचरों ने बीच-बीच में नारे भी लगाये |कब और बुलबुल को शैक्षिक भ्रमण के लिए ले जाया गया |विद्यालय के स्काउट शाखा के प्रभारी श्री अतीक खत्री ने स्काउट-गाइड के प्रमुख नियमों व तथ्यों की विस्तार से चर्चा की |

इस वर्ष की THEME "DIVERSITY ,INCLUSION, EQUITY" के अनुसार कुछ गतिविधियाँ आयोजित की गयी और सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक गतिविधियों में भाग लिया |

गाइड कैप्टन श्रीमती सुचितापाटिल, सुश्री आरती नेगी , सुश्री नीरज व स्काउट मास्टर श्री जयकुमार रजक , श्री श्रेणिक कोरेगावे , कब मास्टर श्री बाबासाहेब, श्री तूफान कामले भी कार्यक्रम के भागीदार बने | अंत में प्राचार्य ने कार्यक्रम का समापन संदेश देकर सभी को आशीर्वचन दिया। प्रतिभागी बच्चों के जलपान और सामुदायिक भोजन के पश्चात उक्त कार्यक्रम को सफल बनाया गया ।

<u>कुछ झलकियाँ</u>